आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 196 | उज्जैन, शनिवार 07 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ यादव लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति के अभिनंदन समारोह में शामिल हुए

मुख्यमंत्री ने वाल्मिकी धाम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति के अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उद्बोधन में कहा कि लोकमान्य तिलक विद्यालय परिसर में ये कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां भविष्य के विकास का संकल्प हुआ है। ये परिसर राष्ट्रवादी विचारों का शुध्द और सक्रीय केंद्र है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों में कुलपति के स्थान पर कुलगुरु संबोधित किए जाने पर कहा कि गुरु शब्द अंधेरे से प्रकाश की ओर जोड़ता है। माता-पिता के बाद गुरु ही जीवन

की दिशा तय करते हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में लोटी स्कूल से जुड़े अपने विद्यार्थी परिषद के समय के अनुभव भी साझा किए।

इस दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण श्री किशोर खंडेलवाल ने दिया। मुख्यमंत्री के द्वारा मेधावी छात्रों को पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

श्री खंडेलवाल ने जानकारी दी कि ये कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के उन्नयन के लिए 3 दिवसीय अभ्यास वर्ग के चलते आयोजित किया जाता है। जिसमें अलग अलग विषय होते हैं। कार्यकम में पूरा विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा जिसमें 06 प्राचार्य, 09 न्यासी व शिक्षक ? मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में 10वीं में टॉपर 03 छात्र, छात्राओं एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता मलखम्भ खेल में पदक प्राप्त करने वाले 04 खिलाड़ी छात्र, छात्राओं का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कटड़ा-श्रीनगर वंदे भारत शुरू होने पर आदिल शाह के परिवार का आया रिएक्शन, बोले- PM मोदी की बात से हमें हौसला मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम के बैसरन आतंकी हमले में पर्यटकों की जाने बचाने के प्रयास में अपनी जान गंवा चुके स्थानीय युवक आदिल हुसैन शाह के परिजनों ने कहा कि आदिल के रूप में उन्होंने अपने परिवार के इकलौते सहारे को खो दिया है। लेकिन जब आदिल की बहादुरी और उसकी जुर्रत की कोई सराहना करता है तो उनके जख्मी दिलों पर थोड़ी ठंडक पड़ जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कटड़ा में आज वंदेभारत रेल सेवा के उद्घाटन के दौरान आदिल शाह के जिक्र पर आदिल के भाई नौशाद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मेरे भाई का जिक्र किया। उसकी बहादुरी को सराहा। हमें अच्छा लगा। इससे हमें हौसला मिलता है।

आतंकी हमले में लोगों ने अपनों को खो दिया- नौशाद ने कहा कि मेरे भाई ने इंसानियत के नाते अपने मेहमानों की जान बचाने की कोशिश की। लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका और अपनी जान से भी हाथ धो बैठा। हमें दुख है। हमें उन परिवारों के भी दर्द का अहसास है, जिन्होंने घटना में अपनों को खो दिया है।

हम से बेहतर उनका दर्द कौन जान सकता है। नौशाद ने कहा कि आतंकवाद ने हमें तबाही के सिवा कुछ नही दिया। हम सब को एकजुट होकर इसकी जड़े काटनी होगी।

इंडस्ट्रियल एरिया में श्रमिकों के लिए बन सकेंगे घर, शहरों में कारोबारी माहौल बनेगा बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहरों में कारोबारी माहौल बेहतर बनाने और औद्योगिक श्रमिकों के कल्याण के लिए राज्यों को केंद्रीय सहायता के तहत इस साल पांच हजार करोड़ रुपये मिल सकते हैं। इसमें भी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अगर अपेक्षित सुधारों यानी नियम-कानूनों के झंझटों को कम करने के लिए आगे आता है तो राज्यों को अधिकतम 700 करोड़ रुपये तक की मदद मिल सकती है।

शहरों में कारोबारी माहौल बेहतर बनाने के लिए राज्यों को करने होंगे सुधार- प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं-भूमि और भवन व निर्माण। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू है 60 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले किफायती आवासीय प्रोजेक्टों को बढ़ावा देना। उद्योगों से जुड़े ये आवासीय प्रोजेक्ट मुख्य रूप से औद्योगिक श्रमिकों की आवासीय समस्या का समाधान करेंगे।

राज्य सरकारों को औद्योगिक क्षेत्रों अथवा इस्टेट या पार्क में श्रमिकों के लिए आवासीय परियोजनाओं को मुख्य गतिविधि के रूप में अनुमति देनी होगी और घोषित इंडस्ट्रियल एरिया अथवा इस्टेट में भू उपयोग परिवर्तन संभव नहीं होगा।

असम में ट्रेन सेवा प्रभावित, अरुणाचल में स्थिति गंभीर; 12 लोगों की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति में गुरुवार को सुधार हुआ, हालांकि 12 जिलों में 5.6 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। दो और लोगों की जान चली गई है। बुधवार तक राज्य के 16 जिलों में 6.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित थे।

विभिन्न हिस्सों में ट्रेन सेवाएं प्रभावित- असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या 21 हो गई है। श्रीभूमि सर्वाधिक प्रभावित जिला है, जहां 2.15 लाख से अधिक लोग पीड़ित हैं। विभिन्न हिस्सों में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कम दूरी की ट्रेनों को रद कर दिया गया है, लेकिन लंबी दूरी की ट्रेनें चल रही हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भी जलमग्न- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भी जलमग्न है। मणिपुर में भी बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है। नदियों में पानी कम होने लगा है। असम राइफल्स और सेना ने राज्यभर में ऑपरेशन जलराहत के तहत बचाव और राहत कार्य जारी रखा। बाढ़ से राज्य में 1.65 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित हैं।

अरुणाचल में बाढ़ की स्थिति गंभीर - अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गुरुवार को गंभीर बनी रही। लगातार बारिश जारी रहने से अरुणाचल के 24 जिलों में 33 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इस वर्ष भूस्खलन और बाढ़ से 12 लोगों की जान गई है।

नाला खोदाई के विवाद में पुलिसकर्मियों ने डॉक्टर को पीटा, सीसीटीवी फुटेज का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर बहजोई थाना क्षेत्र से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो पुलिसकर्मी एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यह घटना कस्बा बहजोई स्थित सुमंगलम अस्पताल के सामने की है, जहां नाले की खोदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक चिकित्सक वहां पहुंचे और खोदाई के तरीके पर आपत्ति जताते हुए विरोध करने लगे। विरोध के दौरान विवाद की स्थिति बन गई और मौके पर पहुंचे दो पुलिसकर्मियों के साथ उनकी कहासुनी हो गई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। वायरल फुटेज में दो वर्दीधारी पुलिसकर्मी चिकित्सक से धक्का-मुक्की और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर, पुलिस का भी कहना है कि सबसे पहले चिकित्सक ने ही मारपीट और गाली-गलौज की थी, जिससे मामला बिगड़ा। बताया गया कि विवाद के बाद पुलिसकर्मी चिकित्सक को थाने ले जाने लगे, लेकिन बीच रास्ते में ही उसे छोड़ दिया गया। इसके बाद चिकित्सक स्वयं थाने पहुंचे और पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस पर दोनों पुलिसकर्मियों ने चिकित्सक से माफी मांग ली, जिसके बाद मामला आपसी सहमति से रफादफा कर दिया गया।

इस पूरी घटना के संबंध में बहजोई के थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार सिंह ने बताया कि मामला नाले की खोदाई को लेकर हुए विवाद से जुड़ा है।

KSCA को मिली राहत, HC ने कहा- अगली तारीख तक कोई कार्रवाई न हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रबंधन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई किया। इस याचिका में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना के संबंध में दर्ज एफआईआर को रद करने की मांग की गई थी। इस मामले की सुनवाई अब 16 जून को होगी।

बार एंड बेंच के अनुसार, न्यायालय ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख तक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, बशर्ते कि वे जांच में सहयोग करें।

आजादी से पहले का सपना, रेलमार्ग से कैसे जुड़ा जम्मू-कश्मीर; महाराजा हरि सिंह से क्या कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देश को एक ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाला रेलमार्ग राष्ट्र को समर्पित किया। वैसे तो जम्मू -कश्मीर को रेलमार्ग से जोड़ने का सपना तो महाराजा हरि सिंह ने आजादी से पहले देखा था। उन्होंने अंग्रेजों के सहयोग से जम्मू-कश्मीर तक नैरो गेज टॉय ट्रेन चलाने के लिए सर्वेक्षण कराए थे। लेकिन दुरुह भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस पर आगे बढ़ना संभव नहीं हो पाया।

बाद में इस सपने पर साल 1983 में काम शुरू हुआ था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जम्मू से ऊधमपुर तक 53 किलोमीटर के रेलमार्ग की आधारशिला रखी थी। उस लाइन पर 1800 करोड़ रुपए की लागत आई थी और 22 साल बाद 2005 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उद्घाटन किया था।

अटल सरकार में मिली प्रोजेक्ट को रफ्तार

फिर साल 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने कश्मीर घाटी को रेलवे लिंक से जोड़ने के फैसले पर मुहर लगाई थी। 2008-09 में ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) पर काम शुरू हुआ। यह दिसंबर 2024 में पूरा हुआ और जनवरी में रेल संरक्षा आयुक्त ने संगलदान कटरा के करीब 67 किलोमीटर के आखिरी खंड को प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस प्रकार से 272 किलोमीटर की जम्मू-कश्मीर रेल लिंक परियोजना का काम पूरा करने में चार दशक से अधिक समय लग गया। इस उद्घाटन के साथ शनिवार सात जून से इन दोनों वंदे भारत ट्रेनों की वाणिज्य की यात्राएं शुरू हो जाएंगी।

हर मौसम में होगी आसानी- श्रीनगर और श्री वैष्णो देवी कटरा के बीच का सभी शुल्कों सहित किराया चेयर कार श्रेणी में 715 रुपए और एग्जीक्यूटिव क्लास में 1320 रुपए निर्धारित किया गया है। इन दोनों ट्रेनों के चलने से देश के विभिन्न हिस्सों से कटरा पहुंचने वाले पर्यटकों और रेलयात्रियों को कश्मीर पहुंचने में आसानी होगी। उनकी सात घंटे की सड़क मार्ग की यात्रा अब तीन घंटे में पूरी होगी। हर मौसम जम्मू से श्रीनगर और बारामूला तक की यात्रा कुछ घंटे में पूरी हो सकेगी। अभी तक कश्मीर की वादियों में बारामुला से संगलदान के बीच ही लोकल ट्रेनों का परिचालन हो रहा था। कटरा से संगलदान के बीच रेल निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब कटरा और श्रीनगर के बीच शनिवार से नियमित रूप से ट्रेन परिचालन शुरू हो रहा है।

क्या होता है ड्रैगन कैप्सूल जिससे ISS जाएंगे शुभांशु, चौंकाने वाली है खासियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 जून को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला Axiom-4 मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु पहले 8 जून को यात्रा पर जाने वाले थे, लेकिन इसकी तारीख में बदलाव किया गया है। शुभांशु ड्रैगन कैप्सूल से स्पेस में जाने वाले हैं।

ड्रैगन कैप्सूल की खासियत- यह कैप्सूल SpaceX का एक अंतरिक्ष यान है।

इसमें क्रू ड्रैगन और कार्गो ड्रैगन शामिल है।

क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाता है।

कार्गो ड्रैगन कैप्सूल में वैज्ञानिक उपकरण और सामान ले जाया जाता है।

क्रू ड्रैगन कैप्सूल को पहली बार साल 2020 में यात्रियों के साथ उड़ा था।

कार्गो कैप्सूल साल 2010 में पहली बार उड़ान भरा था।

कैसे काम करता है ड्रैगन कैप्सूल- स्पेसएक्स का यह अंतरिक्ष यान इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से खुद जुड़ जाता है, इसलिए इससे किसी भी मिशन को अंजाम देना सेफ और आसान होता है। क्रू ड्रैगन को 15 मिशनों तक इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया गया है।

इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें 8 सुपरड्रैको इंजन है, जो इमरजेंसी में कैप्सूल को रॉकेट से अलग कर सकता है। इस कैप्सूल के ट्रंक पैनल में सोलर पैनल लगा है, जो बिजली बनाती है।

ISS पर 14 दिन रहेंगे शुभांशु- बता दें, शुभांशु शुक्ला का मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होगा। शुभांशु इन 14 दिनों में ढ्रस्ट पर 7 से 9 वैज्ञानिक प्रयोग भी करेंगे। शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखने वाले पहले भारतीय होंगे।

Axiom-4 या Ax-4 मिशन एक स्पेस मिशन है, जिसका संचालन प्राइवेट कंपनी Axiom Space द्वारा किया जा रहा है। यह इस कंपनी का चौथा स्पेस मिशन है, जो स्पेस एक्स और NASA के साथ मिलकर किया जा रहा है।

यह मिशन 14 दिनों तक का है और इस दौरान वैज्ञानिक अलग-अलग तरह के प्रयोग करेंगे। यह स्पेस मिशन भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए बेहद खास है क्योंकि 40 सालों के बाद इन देशों के अंतरिक्ष यात्री इसमें शामिल हो रहे हैं।

10 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन-9 रॉकेट सिर्फ चार अंतरिक्ष यात्रियों को ही नहीं लेकर जाने वाला है, बल्कि इनके साथ एक छोटा सा सॉफ्ट टॉय जॉय भी जाने वाला है। लेकिन, सवाल यह है कि आखिर सॉफ्ट टॉय अंतरिक्ष में क्यों जा रहा है?

दरअसल, जॉय नामक यह सॉफ्ट टॉय कोई साधारण सॉफ्ट टॉय नहीं है। यह Axiom-4 मिशन का शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक है। पुरानी परंपरा के अनुसार, अंतरिक्ष यात्री अपने साथ एक हल्का सा ऑब्जेक्ट ले जाते हैं, जो अंतरिक्ष यान के पृथ्वी गुरुत्वाकर्षण से मुक्त होते ही हवा में तैरने लगता है।

लव, एक्स और धोखा, ट्रंप-मस्क की दोस्ती में कैसे पड़ी दरार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत हुई थी, उस वक्त उनके वरिष्ठ सलाहकार के रूप में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को देखा गया था। इसके साथ ही ट्रंप ने मस्क को ष्ठह्वत्रश्च का प्रमुख बनाकर विशेष सरकारी अधिकारी भी नियुक्त किया था।

हाल ही में मस्क का DOGE प्रमुख के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और इसके साथ ही वे ट्रंप के सलाहकार के पद से भी हट गए। इसके बाद से दोनों के बीच बयानबाजी अपने चरम पर है और अब तो दोनों की दुश्मनी खुलकर सामने आन लगी है।

दोनों की दोस्ती एक समय पर काफी गहरी थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं और दोनों अब सार्वजनिक मंच पर एक-दूसरे के खिलाफ हमला बोल रहे हैं। इस पूरे विवाद में व्यक्तिगत हमले, राजनीतिक धमकियां और टेस्ला को अरबों डॉलर का वित्तीय नुकसान भी शामिल है।

कैसे हुई थी ट्रंप और मस्क की दोस्ती- ट्रंप और मस्क की दोस्ती उस वक्त परवान चढ़ी थी जब जुलाई 2024 में पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में एलन मस्क ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को अपना पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया था।

ट्रंप के साथ चुनाव प्रचार अभियान में मस्क भी शामिल हुए और Make America Great Again का नारा देने लगे।

20 जनवरी को ट्रंप राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठे और इसके बाद फरवरी में मस्क ने एक्स पर लिखा, मैं डोनाल्ड ट्रंप से उतना ही प्यार करता हूं जितना एक सीधा-सादा आदमी दूसरे आदमी से कर सकता है।

ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में, टेस्ला के सीईओ सरकारी दक्षता विभाग का सबसे सार्वजनिक चेहरा बन गए।

31 मई को अपने अंतिम ओवल ऑफिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने मस्क की प्रशंसा करते हुए उन्हें दुनिया के अब तक के सबसे महान व्यापारिक नेताओं में से एक कहा।

पाकिस्तान में चर्च और ईसाइयों के घर फूंकने के मामले में कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने 2023 में पंजाब प्रांत में चर्च और ईसाई के घर फूंकने के मामले में मुख्य संदिग्ध सहित 10 मुस्लिम लोगों को सुबूतों के अभाव का हवाला देते हुए बरी कर दिया।

फैसला घटना के लगभग दो साल बाद आया है- न्यायाधीश जावेद इकबाल शेख द्वारा बुधवार को सुनाया गया यह फैसला घटना के लगभग दो साल बाद आया है। भीड़ ने दो ईसाई भाइयों के खिलाफ ईशनिंदा के झूठे आरोपों के बाद फैसलाबाद के जरांवाला में 20 से अधिक चर्चों और 80 से अधिक ईसाई घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

चर्च प्रबंधन समिति ने फैसले पर असंतोष व्यक्त किया- जरांवाला की चर्च प्रबंधन समिति ने फैसले पर असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने आरोपितों को लाभ पहुंचाने के लिए सुबूतों से छेड़छाड़ की है। समिति लाहौर हाई कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की योजना बना रही है।

अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्य संदिग्ध औसाफ अली, उसके दो बेटे और सात अन्य को सुबूतों के अभाव में बरी किया गया है।

अमेरिकी कोर्ट का ट्रंप को बड़ा झटका, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में आ सकेंगे विदेशी छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति ने फरमान जारी कर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए आने वाले विदेशी छात्रों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। इस मामले पर एक संघीय न्यायाधीश ने अपना फैसला सुनाया है।

क्या थी ट्रंप की घोषणा- न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। बुधवार को जारी की गई घोषणा में ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिका के सबसे पुराने और सबसे अमीर कॉलेज को उसके एक चौथाई छात्र-संख्या से वंचित करने के नए प्रयास को चिह्नित करती है, जो हार्वर्ड के अनुसंधान और स्कॉलरशीप का बड़ा हिस्सा है।

इस घोषणा के बाद हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप के इस फैसले पर रोक लगाने के लिए संघीय अदालत का रुख किया था और इस आदेश को रोकने के लिए संघीय न्यायाधीश के सामने कानूनी चुनौती दायर की थी।

हार्वर्ड ने क्या कहा- अपनी कानूनी चुनौती में हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस द्वारा अपनी मांगों को अस्वीकार करने के लिए इसे अवैध प्रतिशोध कहा गया था।

सऊदी अरब में हज के लिए पहुंचे 15 लाख से अधिक विदेशी जायरीन, 40 डिग्री की भीषण गर्मी में पैदल यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में इस साल हज के लिए 15 लाख से अधिक विदेशी जायरीन पहुंचे हैं, जबकि पिछले साल 16,11,310 जायरीन आए थे। बुधवार को उन्होंने अराफात में प्रवेश किया।

कुछ लोग 40 डिग्री सेल्सियस के तापमान के बीच अपना सामान लेकर पैदल ही यात्रा कर रहे हैं, तो अन्य लोग अपने घर के बुजुर्गों को साथ लेकर आए हैं। गुरुवार को सूर्यास्त के बाद वे कंकड़ इकट्ठा करने के लिए मुजदलिफा के रेगिस्तानी मैदान में गए, जिसका इस्तेमाल वे एक धार्मिक रस्म पूरी करने के लिए करेंगे।

छाया प्रदान करने के लिए सऊदी में 10,000 पेड़ लगाए गए हैं- हज मंत्रालय के प्रवक्ता गस्सान अल-नुवैमी ने इस साल हज के लिए विदेशी जायरीनों की अनुमानित संख्या बताई। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसमें कितने स्थानीय लोग शामिल हो रहे हैं।

लोग अपने शिविरों में जाने से पहले आराम करने या खाने के लिए जमीन पर भी बैठे हुए नजर आ रहे थे। सऊदी अरब ने भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा उपायों पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं।

हज में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक गर्मी- हालांकि, जायरीनों की भारी भीड़ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल बना देती है। हाल के वर्षों में हज में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक गर्मी रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में, स्वास्थ्य मंत्री फहाद बिन अब्दुलरहमान अल-जलाजेल ने बताया कि अधिक छाया प्रदान करने के लिए 10,000 पेड़ लगाए गए हैं।

अस्पतालों में बिस्तर की क्षमता बढ़ाई गई - अस्पतालों में बिस्तर की क्षमता बढ़ाई गई है और पैरामेडिक्स की संख्या तीन गुना की गई है।

विवादों के साए में WWE के Former चेयरमैन विंस मैकमोहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। WWE के पूर्व चेयरमैन विंस मैकमोहन ने टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के लगभग 250 मिलियन डॉलर (लगभग 21,46,11,24,900 रुपये) के स्टॉक बेचे हैं।

ये कंपनी WWE और यूएफसी की मूल कंपनी है। विंस लंबे वक्त तक WWE के अहम चेहरों में से एक रहे हैं और प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया में उनकी खासा पहचान है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह बिक्री निजी तौर पर एंडेवर ग्रुप होल्डिंग्स के साथ की गई। यह बड़े पैमाने पर स्टॉक बिक्री तब हुई है, जब मैकमोहन एक सेक्स ट्रैफिकिंग मुकदमे का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा एक नया एंटरटेनमेंट बिजनेस शुरू करने की तैयारी में हैं।

विवादों के साए में कैसे आ गए विंस मौकमोहन- साल 2024 की शुरुआत में कई विवादों के सामने आने के बाद, WWE और टीकेओ के साथ उनका सार्वजनिक और वित्तीय रिश्ता धीरे-धीरे कमजोर हुआ है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, यह लेनदेन 158.32 डॉलर प्रति शेयर की कीमत पर बुधवार को पूरा हुआ।

जनवरी में मैकमोहन ने टीकेओ के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से इस्तीफा दे दिया था। यह उन्हें तब करना पड़ा जब एक पूर्व WWE कर्मचारी ने उन पर यौन उत्पीड़न और सेक्स ट्रैफिकिंग का आरोप लगाया था। मैकमोहन ने इन आरोपों को ÷पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए साफ तौर पर खारिज किया है।

पूर्व कर्मचारी जेनेल ग्रांट का दावा है कि उनके तत्कालीन बॉस मैकमोहन ने उन्हें कंपनी में जबरन यौन संबंधों के लिए मजबूर किया और इसमें अन्य लोग भी शामिल थे। पिछले हफ्ते, जॉन लॉरिनाइटिस नाम के एक शख्स ने ग्रांट के साथ एक समझौता किया।

चीन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, भारत-पाक टकराव के बीच अमेरिका में थरूर का ड्रैगन पर बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डेलिगेशन के एक दल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका में चीन को लेकर एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान टकराव के बीच चीन एक ऐसा कारक है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से टकराव से पहले दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में नरमी आई थी, जो अच्छी प्रगति पर दिख रही थी। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान में चीन का बहुत बड़ा हित भी है।

अमेरिका में भारतीय दूतावास में आयोजित थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान शशि थरूर ने कहा कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सबसे बड़ी एकल परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है।

पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि, 81 प्रतिशत पाकिस्तान रक्षा उपकरण चीन से आते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यहां रक्षा शब्द का इस्तेमाल करना गलत होगा, क्योंकि पाकिस्तान इन उपकरों का इस्तेमाल हमला करने के लिए करता है।

गलवान घाटी में भारत और चीन की सेना के बीच हुई झड़प को लेकर उन्होंने कहा कि, 2020 में झड़प के बाद भी हमने पिछले साल सितंबर में चीन के साथ संबंधों में नरमी बरती थी, जो भारत-पाकिस्तान टकराव से पहले अच्छी प्रगति कर रही थी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि पाकिस्तान को व्यावहारिक समर्थन देने के मामला हो या सुरक्षा परिषद में भी समर्थन देना हो, हमने एक अलग चीन को देखा है।

वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से मिलने गया था, बैंक धोखाधड़ी पर विजय माल्या का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने लंबे वक्त के बाद बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। यूट्यूबर राज शमनी के साथ एक पॉडकास्ट में विजय माल्या ने कई बड़े खुलासे किए हैं और तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से लेकर अरुण जेटली तक का नाम लिया है।

माल्या ने किंगफिशर एयरलाइंस के पतन की वजह भी बताई। विजय माल्या ने 2008 में आए ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस को एयरलाइन के डाउनफॉल के लिए जिम्मेदार बताया। उसने कहा कि जब एयरलाइन संकट का सामना कर रही थी, तब उसने समाधान के लिए प्रणब मुखर्जी से संपर्क किया था।

2005 में लॉन्च हुई था किंगफिशर एयरलाइंस- किंगफिशर एयरलाइंस की शुरुआत 2005 में हुई थी। विजय माल्या ने कहा कि इसके 3 साल बाद दुनिया फाइनेंशियल क्राइसिस की चपेट में आ गई। पैसा आना बंद हो गया और असर किंगफिशर एयरलाइन पर भी पड़ा। मैं तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से मिलने पहुंचा। मैंने उसने कहा कि मुझे एयरलाइन के आकार को छोटा करना पड़ेगा।

माल्या ने कहा, मैंने प्रणब मुखर्जी से कहा कि मुझे एयरक्राफ्ट की संख्या घटानी पड़ेगी और कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ेगी। मैं ऐसी बुरी आर्थिक परिस्थिति में फ्लाइट ऑपरेशन का जोखिम नहीं उठा सकता।% माल्या ने कहा कि प्रणब मुखर्जी ने उसकी अपील को खारिज कर दिया।

बैंकों के समर्थन का किया था वादा- पॉडकास्ट में विजय माल्या ने आगे कहा कि प्रणब मुखर्जी ने मुझे एयरलाइन को डाउनसाइज नहीं करने को कहा और आश्वासन दिया कि बैंक मदद करेंगे। इस तरह ये सब शुरू हुआ।

गोवा में 3 लोगों से जब्त की गई 5.75KG व्हेल की उल्टी, करोड़ों रुपये है इसकी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण गोवा से तीन व्यक्तियों के पास से व्हेल का एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी) बरामद किया गया है। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

अधिकारी ने बताया, गुरुवार को संगुएम गांव में एक कार को रोका गया, जिसमें से 5.75 किलोग्राम मोम जैसा पदार्थ जब्त किया गया। इस पदार्थ का उपयोग इत्र उद्योग में होता है।

एम्बरग्रीस का व्यापार भारत में है प्रतिबंधित- दरअसल, यह मोम जैसे पदार्थ व्हेल का एम्बरग्रीस होता है, जो उसकी आंतों में उत्पन्न होता है। इस पदार्थ को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची II के तहत संरक्षित किया गया है।

इस एम्बरग्रीस का भारत में व्यापार या फिर इसे रखना प्रतिबंधित है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया व्हेल की उल्टी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 10 करोड़ रुपये हो सकती है।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा करते हुए बताया की दो की पहचान गोवा निवासी साईनाथ शेट और रत्नकांत करापुरकर के रूप में हुई है।

केरल में बकरीद के अवकाश पर सियासी घमासान, छुट्टी की तारीख बदलने पर घिरी राज्य सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में बकरीद की छुट्टी को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। बकरीद की छुट्टी बदलने की वजह से केरल सरकार सवालों के घेरे में है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने सरकार पर सांप्रदायिक एजेंडा और फासीवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

केरल में बकरीद अवकाश शुक्रवार यानी 6 जून को होना था। हालांकि इस साल बकरीद शनिवार यानी 7 जून को मनाई जाएगी। ऐसे में केरल सरकार ने शुक्रवार का अवकाश रद्द करके शनिवार को अवकाश देने की घोषणा की थी, जिसे विवाद बढ़ने के बाद वापस ले लिया गया। बकरीद के अवकाश में बदलाव करते हुए केरल सरकार ने शुक्रवार (6 जून) को रोज की तरह कामकाज का दिन घोषित कर दिया था और बकरीद का अवकाश शनिवार (7 जून) को देने का आदेश दिया था, जिसे लेकर सियासी विवाद छिड़ गया।

सरकार पर उठे सवाल- IUML समेत कई मुस्लिम संगठनों ने सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि सरकार गुरुवार की रात को अचानक से घोषणा कर दी कि बकरीद की छुट्टी शुक्रवार की बजाए शनिवार को होगी। सरकार का यह कदम राज्य में सांप्रदायिक एजेंडा और फासीवाद को बढ़ावा दे सकता है।

कर्नाटक सरकार का एक्शन, सिद्धरमैया के राजनीतिक सचिव हटाए गए; इंटेलीजेंस प्रमुख का ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में आरसीबी के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। लापरवाही और कुप्रबंधन के आरोपों के बाद कर्नाटक सरकार बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर, सेंट्रल डिवीजन के डीसीपी, एसीपी (वेस्ट) और लोकल इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया था।

वहीं अब कर्नाटक सरकार ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू को पद से हटा दिया। गोविंदराजू कांग्रेस के एमएलसी हैं और सिद्धरमैया के बेहद करीबी माने जाते हैं। हालांकि उन्हें पद से हटाए जाने की कोई वजह नहीं बताई गई है।

गोविंदराजू पर लग रहे आरोप- सूत्रों के मुताबिक, गोविंदराजू के दबाव के कारण ही सिद्धरमैया ने बधाई कार्यक्रम की अनुमित दी थी। बताया गया कि गुरुवार शाम को हुई कैबिनेट बैठक में मंत्रियों ने गोविंदराजू के खिलाफ काफी नाराजगी जताई थी। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गोविंदराजू को ही हादसे का जिम्मेदार ठहराया।

कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि गोविंदराजू ने बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर को फोन करके जीत के जश्न को मनाने के लिए परमिशन देने का दबाव बनाया। जब कमिश्नर ने कहा कि दो कार्यक्रम होने से सिक्योरिटी की समस्या पैदा होगी और पुलिस रात भर भीड़ को कंट्रोल करके थकी हुई है।

सीएम ने मौखिक रूप से दिया था आदेश- कुमारस्वामी के मुताबिक, इसके बाद गोविंदराजू ने सिद्धरमैया से कमिश्नर की बात कराई और सीएम ने मौखिक रूप से निर्देशों का पालन करने और कार्यक्रमों की परमिशन देने के आदेश दिए। माना जा रहा है कि गोविंदराजू को उनके पद से इसलिए ही हटाया गया है।

वहीं कर्नाटक सरकार ने एडीजीपी इंटेलीजेंस हेमंत निंबालकर का भी ट्रांसफर कर दिया है। आरोप लगाए गए थे कि सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने में हिचकिचा रही है, क्योंकि उनकी पत्नी कांग्रेस की पूर्व विधायक है।

मशीन की तरह ने दें गंभीर अपराधों में बेल, सुप्रीम कोर्ट ने Anticipatory Bail को लेकर दिए निर्देश में और क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में एंटीसीपेटरी बेल को यांत्रिक तरीके से नहीं दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने हत्या के मामले में चार आरोपितों को दी गई अग्रिम जमानत के आदेश को रद करते हुए यह टिप्पणी की।

जस्टिस विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने अपने एक मई के आदेश में कहा, पटना हाई कोर्ट का आदेश गंभीर अपराधों के तहत आइपीसी की धारा 302 और 307 में अग्रिम जमानत देने के लिए कोई तर्क नहीं प्रस्तुत करता है। यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण की कमी से भरा है। गंभीर अपराधों के मामलों में अग्रिम जमानत का इस तरह मशीनी तरीके से दिया जाना उचित नहीं है और इसे रद किया जाना चाहिए।

आरोपितों को आठ हफ्ते के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश

एफआइआर और संबंधित सामग्री के सामान्य अध्ययन पर कोर्ट ने देखा कि अपीलकर्ता के पिता पर अपीलकर्ता की उपस्थिति में हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। शीर्ष अदालत ने कहा, %%यह घटना एक मार्ग में रुकावट को लेकर विवाद से उत्पन्न हुई प्रतीत होती है। एफआइआर में उल्लिखित आरोपितों की विशिष्ट भूमिकाएं यह दर्शाती हैं कि वे तब भी हमला करते रहे थे जब मर कर जमीन पर गिर चुका था।

कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने स्पष्ट रूप से मामले में आरोपों की गंभीरता और प्रकृति को समझने में विफलता दिखाई। इसलिए, आरोपितों को आठ हफ्ते के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया।

सात आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज- यह आदेश पीड़ित के बेटे द्वारा दायर की गई याचिका पर आया, जिसमें आरोपितों को अग्रिम जमानत देने के आदेश को चुनौती दी गई थी। पीड़ित पर 2023 में पड़ोसियों के बीच विवाद के दौरान लोहे की रॉड और डंडों से हमला किया गया था। सिर में चोट लगने के कारण, उन्होंने उसी दिन दम तोड़ दिया और अपीलकर्ता के बयान के आधार पर सात आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई।

कोविड हो रहा कमजोर, चिंता की कोई बात नहीं, कोराना के बढ़ते मामलों के बीच विशेषज्ञों ने और क्या कहा?

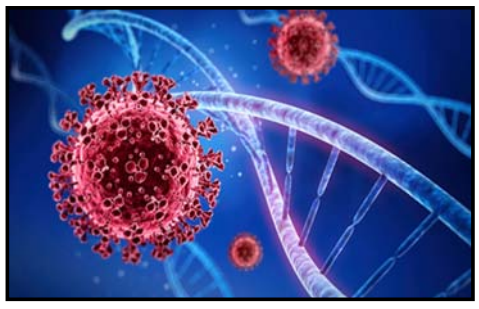

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले 15 दिनों में कोविड के सक्रिय मामलों में 20 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। देश में सक्रिय कोविड मामलों की संख्या 5,000 के पार हो गई है। पिछले 24 घंटों में चार लोगों की जान गई है।

देश में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य केरल बना हुआ है। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का स्थान है। देश भर में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 5,364 हो गए हैं।

क्या कहते हैं जानकार- विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 समय के साथ कमजोर होता जा रहा है, लेकिन चूंकि यह वायरस अब स्थायी (एंडेमिक) हो चुका है और लगातार विकसित हो रहा है, इसलिए समय-समय पर मामलों में उछाल देखने को मिल सकता है।

उनका कहना है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि यह कमजोर होती इम्यूनिटी और मौसमी कारकों जैसे तापमान में उतार-चढ़ाव का नतीजा हो सकता है, जो हमें एयर-कंडीशन्ड जगहों पर ज्यादा समय बिताने के लिए मजबूर करता है।

ग्लोबल हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत लहरिया ने पीटीआई को बताया, हर गुजरते साल के साथ कोविड-19 का संक्रमण हल्का होता जा रहा है। अब यह बस एक सामान्य श्वसन रोग है और फ्लू से भी कम खतरनाक है। कोविड को खास बीमारी मानने की जरूरत नहीं, यह चिंता का विषय नहीं है।

मामलों में बढ़ोतरी, लेकिन गंभीरता कम- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई 2023 में कोविड-19 को 'पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी' से मुक्त कर दिया था। विशेषज्ञों ने इसे 'मौसमी' और 'स्थायी' बीमारी के कैटेगरी, जो अब कुछ क्षेत्रों तक सीमित है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 6 जून तक देश में सक्रिय मामले 5,364 से अधिक हो गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है!

हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है !कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति !कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है,अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी! ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों के स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास,गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वस्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं।

साथियों बात अगर हमह्न हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो ,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं थी। उनका इलाज घर पर ही किया जाता था और अगर परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में !इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, स्वास्थ्य क्षेत्र की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि बच्चे न केवल जीवित रहें, बल्कि फलते-फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है।

विश्व खाद्य दिवस

भोजन जीवन का परम संसाधन है, जो स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए आवश्यक है। वैश्विक खाद्य उत्पादन दुनिया की आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त से अधिक होने के बावजूद लाखों लोग अभी भी पौष्टिक और पर्याप्त भोजन प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह अंतर सभी के लिए खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने में लगातार चुनौतियों को उजागर करता है। प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य दिवस इन चुनौतियों का एक शक्तिशाली अनुस्मारक (रिमाइंडर) के रूप में कार्य करता है। यह भूख मिटाने और जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानताओं और सामाजिक विसंगतियां जैसी बाधाओं को दूर करने में सक्षम और सुदृढ़ वैश्विक खाद्य प्रणालियों के निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

इतिहास और विषय

विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसकी जड़ें 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना में हैं। 1979 में एफएओ के 20वें आम सम्मेलन के दौरान आधिकारिक रूप से स्थापित यह विशेष दिन वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर प्रकाश डालता है। भोजन पहले आता है विषय के साथ पहला उत्सव 1981 में हुआ और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इसका समर्थन किया।

विश्व खाद्य दिवस 2024 का विषय बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा द्वारा मान्यता प्राप्त भोजन का अधिकार केवल जीवित रहने के बारे में नहीं है बल्कि लोगों को स्वस्थ, गरिमापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाने को लेकर भी है। वैश्विक भूख को दूर करने के लिए केवल खाद्य उत्पादन में वृद्धि की ही जरूरत नहीं है बल्कि लोगों तक पहुंचने के लिए स्थायी कृषि पद्धतियों, न्यायसंगत वितरण प्रणालियों और सहायक सामाजिक नीतियों पर बल देता है, जिसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है।

खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

भारत में दुनिया की आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहता है। भारत ने कुपोषण, गरीबी उन्मूलन और कृषि स्थिरता पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के माध्यम से भूख से निपटने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस वर्ष के विश्व खाद्य दिवस की थीम लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत के विविध खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में कम आय वाले परिवारों, बच्चों और बुजुर्गों को लक्षित करने वाली राष्ट्रीय योजनाएं और स्थानीय पहल शामिल हैं।

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए)ः यह अधिनियम 75त्न ग्रामीण आबादी और 50त्न शहरी आबादी के लिए सब्सिडी वाले खाद्यान्न सुनिश्चित करता है, जिससे 16 करोड़ महिलाओं सहित लगभग 81 करोड़ व्यक्ति लाभान्वित होते हैं।

2. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) कोविड-19 महामारी के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की सहायता के लिए शुरू की गई पीएमजीकेएवाई अतिरिक्त पांच वर्षों तक जारी रहेगी। इसमें लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा।

3. पीएम पोषण योजनाः सरकारी स्कूलों में बच्चों की पोषण स्थिति को बढ़ाने के लिए बनाई गई इस योजना का वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल बजट 12,467.39 करोड़ रुपये है, जो भूख को प्रभावी ढंग से लक्षित करता है।

4. अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई)ः सबसे कमजोर लोगों पर केंद्रित एएवाई 8.92 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को सहायता प्रदान करता है, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है और अपने लाभार्थियों के बीच महिला सशक्तिकरण पर जोर देता है।

5. पोषण युक्त (फोर्टिफाइड) चावलः 2019-20 और 31 मार्च, 2024 के बीच पीडीएस के माध्यम से लगभग 406 लाख मीट्रिक टन पोषण युक्त (फोर्टिफाइड) चावल वितरित किया गया, जिससे देश भर में लाखों लोगों के पोषण सेवन में वृद्धि हुई।

6. मूल्य स्थिरता और किफायती पहलः सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की मूल्य अस्थिरता का प्रबंधन करने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) का उपयोग किया है। रणनीतिक उपायों में प्याज बफर को बढ़ाना और भारत दाल, भारत आटा और भारत चावल जैसे सब्सिडी वाले उत्पादों को लॉन्च करना शामिल है, जिससे कम आय वाले समूहों के लिए सामर्थ्य सुनिश्चित हो सके।

वैश्विक स्तर पर भारतीय थाली की चर्चा

हाल ही में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट में भारतीय थाली को पोषण और निरंतरता में उल्लेखनीय योगदान के लिए मान्यता मिलने के साथ वैश्विक पहचान मिली है। पारंपरिक भारतीय आहार, मुख्य रूप से पौधे आधारित, अनाज, दालों, दालों और सब्जियों के आसपास केंद्रित है, जो प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को काफी कम करता है और पशु-आधारित आहार की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि अगर वैश्विक आबादी भारत के उपभोग पैटर्न को अपनाती है, तो हमें वैश्विक खाद्य उत्पादन को बनाए रखने के लिए 2050 तक पृथ्वी के केवल 0.84 प्रतिशत की आवश्यकता होगी। यह मान्यता भारत को स्थायी खाद्य पद्धतियों में सबसे आगे रखती है। यह दर्शाती है कि कैसे स्थानीय परंपराएं सभी के लिए स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हुए पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती हैं।

निष्कर्ष

भूख और कुपोषण से निपटने के लिए भारत की पहल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने, खाद्य वितरण को बढ़ाने और आर्थिक रूप से कमजोर आबादी का सहयोग करने के उद्देश्य से व्यापक कार्यक्रमों और नीतियों के माध्यम से भारत भूख उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। विश्व खाद्य दिवस पर ये प्रयास सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से एसडीजी 2ः कोई भूखा न रहे, इसको प्राप्त करने के लिए देश के समर्पण को रेखांकित करते हैं। सतत कृषि पद्धतियों और सामाजिक कल्याण योजनाओं में नवाचार और निवेश जारी रखते हुए भारत न केवल अपनी चुनौतियों का समाधान कर रहा है, बल्कि भूख और कुपोषण के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के लिए एक सकारात्मक उदाहरण भी स्थापित कर रहा है।

एलन मस्क को भारत में बड़ी कामयाबी, स्टारलिंक को मिला लाइसेंस, लॉन्चिंग के करीब कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को भारत में एक बड़ी कामयाबी मिली है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को टेलिकॉम मिनिस्ट्री से एक प्रमुख लाइसेंस मिल गया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बात रॉयटर्स को बताई है। लाइसेंस मिलने के साथ ही सैटेलाइट इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली स्टारलिंक के लिए एक बड़ी बाधा दूर हो गई है और यह भारत में अपने ऑपरेशंस के कमर्शियल लॉन्चिंग के करीब जा पहुंची है।

लाइसेंस पाने वाली तीसरी कंपनी- स्टारलिंक, डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशंस से लाइसेंस पाने वाली तीसरी कंपनी बन गई है। इससे पहले, डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशंस ने यूटेलसैट के वनवेब और रिलायंस जियो को भारत में सर्विसेज उपलब्ध कराने के लिए लाइसेंस दिया है। फिलहाल, स्टारलिंक और DoT दोनों ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। स्टारलिंक भारत में कमर्शियली ऑपरेट करने के लिए साल 2022 से लाइसेंस का इंतजार कर रही है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं समेत कई कारणों की वजह से इसमें देरी हुई है। अमेजन का कुइपर अब भी अपने इंडिया लाइसेंस का इंतजार कर रहा है।

डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशंस ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट परमिट जारी किया है। साथ ही, आने वाले दिनों में कंपनी को ट्रायल स्पेक्ट्रम भी इश्यू किए जाएंगे। स्पेक्ट्रम आवंटित होने के बाद कंपनी को सिक्योरिटी कंडीशंस समेत सभी कंप्लायंसेज सरकार को प्रदर्शित करने होंगे।

स्टारलिंक को स्पेस रेगुलेटर इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराजैशन सेंटर से भी मंजूरी लेनी होगी। कंपनी ने क्लीयरेंस हासिल करने के लिए सभी डीटेल्स पहले ही उपलब्ध करा दिए हैं, लेकिन अभी मंजूरी नहीं मिली है।

कमर्शियल सेवाओं का लॉन्च कंपनी की तरफ से सिक्योरिटी कंडीशंस कंप्लायंसेज के सफलतापूर्वक प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

गोल्ड लोन पर रिजर्व बैंक का अहम ऐलान, रॉकेट की तरह भागे इन कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से गोल्ड लोन को लेकर अहम ऐलान किया गया है। इसके बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में लिस्टेड कुछ कंपनियों के शेयर में हलचल सी मच गई। इनमें से एक मुथूट फाइनेंस लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयरों में 8त्न तक की तेजी आई, जबकि मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड और आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में 5त्न तक उछाल आया। ट्रेडिंग के दौरान मुथूट फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 2470.25 रुपये तक पहुंच गए। वहीं, मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 246.85 रुपये तक पहुंच गए। इसी तरह, IIFL फाइनेंस के शेयर 452 रुपये तक पहुंच गए। आइए जान लेते हैं कि आखिर गोल्ड फाइनेंस से जुड़ी कंपनियों के शेयर में क्यों तेजी आई।

दरअसल, रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 55वीं और चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की दूसरी तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि लोन टू वैल्यू (एलटीवी) या प्रति उधारकर्ता 2.5 लाख रुपये तक के छोटे ऋणों को ब्याज घटक सहित पहले के 75% से संशोधित कर 85% कर दिया जाएगा।

2000 रुपये के पास पहुंचा HDFC बैंक का शेयर, 49 में से 45 एक्सपर्ट ने दी खरीदने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी और उसमें ब्याज दरों में कटौती के ऐलान के बाद बैंक व फाइनेंशियल शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही मार्केट कैप के लिहाज से भारत के सबसे बड़े बैंक शेयर का भाव सर्वकालिक स्तरों पर पहुंच गया है। एचडीएफसी बैंक के शेयरों ने 1996 रुपये का ऑल टाइम हाई लगा दिया है।

मार्केट कैप के लिहाज से एचडीएफसी बैंक निफ्टी 50 का बड़ा शेयर है, इसलिए बैंकिंग सेक्टर और शेयर बाजार में तेजी को यह बैंक स्टॉक लीड कर रहा है। आरबीआई ने रेपो रेट के साथ-साथ CRR में भी बड़ी कटौती कर, बैंक सेक्टर को तगड़ी राहत दी है इसलिए एचडीएफसी बैंक समेत अन्य फाइनेंशियल शेयरों में तेजी आई है।

ऑल टाइम हाई पर HDFC बैंक का शेयर- आरबीआई पॉलिसी आने से पहले आज सुबह एचडीएफसी बैंक के शेयर 1930 रुपये के स्तर पर खुले और 1908 का निचला छूकर 1996 रुपये तक पहुंच गए। इसके साथ ही इस बैंक शेयर ने ऑल टाइम हाई लगा दिया। खास बात है कि ब्लूमबर्ग डेटा के अनुसार, इस बैंक शेयर पर नज़र रखने वाले 49 विश्लेषकों में से 45 ने इसे खरीदने की राय दी है, जबकि चार ने होल्ड की सलाह दी है।

नया टारगेट प्राइस- दैनिक जागरण के साथ खास बातचीत में 5 जून को प्रॉफिट मार्ट सिक्युरिटीज के रिसर्च हेड अविनाश गोरक्षकर ने कहा था कि HDFC Bank ने एक रेंज के अपर बैंड को ब्रेक किया है। ऐसे में 1934 का स्टॉपलॉस लगा कर इस बैंक शेयर को खरीदना चाहिए और नए टारगेट 2000 के आस-पास के रहेंगे।

दरअसल, आरबीआई पॉलिसी में लिए गए बड़े और हैरान करने वाले फैसलों से, खासकर CRR में कटौती करने से बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ेगी और 2.5 लाख करोड़ रुपये की तरलता उपलब्ध होगी।

सोलर पावर प्रोजेक्ट पर इस छोटी कंपनी का दांव, एक महीने में 55% से ज्यादा चढ़ गए शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी रामा स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के शेयरों में लगातार तीसरे दिन तूफानी तेजी है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को करीब 13 पर्सेंट के उछाल के साथ BSE में 14.92 रुपये पर पहुंच गए हैं। रामा स्टील ट्यूब्स ने 225 मेगावॉट के सोलर पावर प्रोजेक्ट में संयुक्त उपक्रम साझेदारी के जरिए रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में एंट्री की है। 3 ट्रेडिंग सेशन में कंपनी के शेयर 25 पर्सेंट चढ़ गए हैं। वहीं, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 55 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। एक महीने में रामा स्टील ट्यूब्स के शेयर 9.48 रुपये से बढ़कर 14.92 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 17.51 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 8.41 रुपये है।

रामा स्टील ट्यूब्स लिमिटेड ने 225 मेगावॉट के PM-KUSUM सोलर पावर प्रोजेक्ट में हिस्सेदारी लेकर रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में कदम रखा है। कंपनी ने रिन्यूएबल एनर्जी सेगमेंट में रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। रामा स्टील ने केंद्र सरकार की पीएम-कुसुम स्कीम के तहत 225 MW सोलर पावर प्रोजेक्ट में संयुक्त उपक्रम साझेदार के रूप में हिस्सेदारी ली है। यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र की कई लोकेशंस में फैला हुआ है और Onix IPP के तहत स्ट्रक्चर्ड है।

भाविश अग्रवाल क्यों गिरवी रख रहे Ola Electric के शेयर, ऐसी क्या मजबूरी, 50 रुपये से नीचे फिसला स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में आज जबरदस्त तेजी के साथ बंद हुए। बैंक, ऑटो और रियलटी शेयरों के साथ-साथ कई स्टॉक्स में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। लेकिन, इस तेजी में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर नहीं चढ़े बल्कि गिरावट के साथ बंद हुए। दरअसल, ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में यह कमजोरी पिछले 4 ट्रेडिंग सेशन से देखने को मिल रही है।

5 जून को ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर 2 फीसदी तक टूट गए थे। दरअसल, खबर है कि कंपनी के फाउंडर और सीईओ

भाविश अग्रवाल ने शेयर की कीमत में लगातार गिरावट के कारण शेयरों के बदले उधार लेने के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये (2.3 मिलियन डॉलर) नकद भुगतान किया है। इन खबरों के चलते ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों पर दबाव देखने को मिल रहा है।

क्यों गिरवी रखे शेयर- दरअसल, भाविश अग्रवाल ने दिसंबर में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर गिरवी रखकर अपने तीसरे यूनिकॉर्न और एआई प्लेटफॉर्म क्रुट्रिम के लिए 250 करोड़ रुपये जुटाए थे। कुछ महीने बाद, उन्होंने क्रुट्रिम के लिए और अधिक कर्ज जुटाने के लिए ईवी प्रमुख के अतिरिक्त 5.88 करोड़ शेयर गिरवी रखे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भाविश अग्रवाल मार्च से ही अतिरिक्त पैसे लगा रहे हैं।ओला इलेक्ट्रिक के शेयर पिछले साल अगस्त में 76 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए थे और कुछ ही दिनों में स्टॉक ने 157 रुपये का हाई लगाया था। हालांकि, अब ओला इलेक्ट्रिक के शेयर टूटकर 48.67 रुपये पर आ गए हैं।

16000% से अधिक का रिटर्न, फिर 1% चढ़ा भाव, कीमत 100 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में बीते कुछ सालों में कई कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है। उसमें से Mercury EV-Tech भी एक है। 100 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक ने पोजीशनल निवेशकों को 16,497 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। यानी शुक्रवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 2 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के बाद बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 59.94 रुपये के लेवल पर पहुंच गया।

इस स्मॉल कैप ईवी स्टॉक ने 5 जून 2025 को बीएसई को दी जानकारी में कहा था कि Mercury EV-Tech ने भावगनर, गुजरात में एक नया शो-रूम खोला है। जोकि सागर कॉम्प्लेक्स के नजदीक है।

इससे पहले कंपनी ने अप्रैल में 3.2 गीगावाट की बैटरी मैन्युफैक्चरिंग सेंटर की जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा किया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

20 रुपए का लालच देकर छीन ली मासूम की जान, CCTV से खुले राज, दहल गए लोग

ग्वालियर। ग्वालियर के मुरार क्षेत्र में आठ वर्षीय मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। बालक के पड़ोसी दुकानदार ने उसे 20 रुपये का लालच देकर हाथ में बिजली का तार थमा दिया था। पाले के दूसरी तरफ डीपी रखी थी। यहां से करंट दौड़ रहा तार लेकर दुकान तक आना था। यह तार वह खुद न लाकर बच्चे के हाथ में थमाया। जैसे ही बच्चा नाले में उतरा तो उसे करंट लग गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। 8 साल के बच्चे की करंट लगने से हुई मौत

नेपाली कुशवाह का बेटा शिवा उर्फ बाबू घर के बाहर खेल रहा था। उसके घर से कुछ दूरी पर मनोज जाटव और हेमंत जाटव की दुकान है। उसी समय दुकान की बिजली चली गई थी और दुकान के सामने एक नाला है। नाले के दूसरी ओर

एक डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन प्वाइंट) है, जहां से बिजली का कनेक्शन लिया जाता है। दुकान तक बिजली लाने के लिए तार डीपी से जोड़ना था।बच्चे को 20 रुपये का दिया लालच

दुकानदारों ने खुद तार लाने की बजाय मासूम शिवा को बुलाया और उसे कहा कि अगर वह यह काम कर देगा तो उसे 20 रुपये मिलेंगे। मासूम बच्चा लालच में आ गया और तार पकड़कर नाले में उतर गया। लेकिन जैसे ही उसने तार पकड़ा और नाले में कदम रखा, उसे जोरदार करंट लग गया। बिजली का झटका इतना तेज था कि शिवा वहीं तड़पने लगा और कुछ ही पलों में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मनोज और हेमंत मौके से भाग निकले। पास-पड़ोस के लोगों ने जब शिवा को बेसुध देखा तो तुरंत उसके परिवार वालों को सूचना दी गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।पुलिस कर रही है मामले की जांच

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मुरार थाना पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच जारी है। सीएसपी राजीव जंगले ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि बच्चे को जानबूझकर बिजली का तार पकड़ाया गया था, जिससे उसकी जान चली गई। इस मामले को केवल हादसा नहीं, बल्कि लापरवाही और मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में देखा जा रहा है।

बुरहानपुर में युवक पर बाघ का हमला... गले पर पंजे से मारा, ज्यादा खून बहने से मौत

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बोदरली रेंज के चाकबारा गांव से सटे मगरडोह के जंगल में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। गोंद निकालने गए 22 वर्षीय युवक पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। मृतक की पहचान गुणेश पुत्र सुरपाल भिलाला के रूप में हुई है। युवक की मौत के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। वन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं।गले पर पंजे के गहरे घाव से मौत शुक्रवार सुबह लगभग छह बजे गणेश जंगल में गोंद निकालने गया था। इस दौरान अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ देर तक युवक ने बचने की कोशिश की, लेकिन बाघ के पंजे से गले पर गहरा घाव लगने से उसकी मौत हो गई। शव के पास बाघ काफी देर तक बैठा रहा। ग्रामीणों ने शोर मचाया, तब जाकर वह जंगल की ओर भागा।

तीन साथियों ने बताई पूरी घटना–गणेश के साथ गए तीन अन्य युवक अलग-अलग स्थानों पर गोंद निकाल रहे थे। वे गांव लौटे तो गणेश नहीं मिला। काफी देर इंतजार करने व फोन नहीं उठाने पर उसे खोजने वापस जंगल पहुंचे। उन्हें उसका शव मिला। उसके पास में बाघ भी मौजूद था। युवकों का दावा है कि उन्होंने खुद बाघ को देखा, लेकिन वन विभाग अब तक हमले की पुष्टि नहीं कर पाया है।

शादी के एक माह बाद टूटा दुखों का पहाड़–ग्रामीणों ने बताया कि मृतक गणेश का एक माह पहले ही विवाह हुआ था। अचानक हुई इस घटना से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक सात भाई-बहन हैं। परिवार खेती व मजदूरी कर जीवन यापन करता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में इससे पहले बाघ की कोई उपस्थिति नहीं देखी गई थी।

प्रशासन और वन विभाग मौके पर–घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के एसडीओ अजय सागर, रेंजर व खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव मौके पर पहुंचे। कागजी प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है, लेकिन घटना के बाद से पूरे चाकबारा क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

मध्य प्रदेश में ट्रक की बजाए स्कूटर पर ही ले गए करोड़ों का धान, जांच में हुआ खुलासा

जबलपुर। जबलपुर में धान के परिवहन में बड़ा घोटाला सामने आया है। जांच में पता चला कि कुछ राइस मिलर्स ने धान की ढुलाई के लिए ट्रकों की बजाय स्कूटर, ऑटो और अन्य छोटे वाहनों के नंबर दर्ज किए हैं। मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने करीब 40 मिलर्स को नोटिस जारी किया है। जबलपुर से भेजे गए धान परिवहन व्यवस्था में गड़बड़ी

पहले चरण की जांच में जबलपुर जिले से बाहर भेजे गए धान की परिवहन व्यवस्था में गड़बड़ी पाई गई थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। अब जिले के भीतर धान की ढुलाई की जांच राजस्व विभाग के एसडीएम को सौंपी गई। जबलपुर, रांझी, शहपुरा, सिहोरा और पाटन के एसडीएम ने 44 से ज्यादा राइस मिलर्स के रिकॉर्ड खंगाले।फर्जी नंबरों से दिखाया गया ट्रांसपोर्ट जांच में यह हैरान करने वाली बात सामने आई कि कई मिलर्स ने वेयरहाउस से धान लाने के लिए जिन वाहनों का जिक्र किया, उनके नंबर गलत निकले। कुछ मामलों में जिन वाहनों का नंबर सही था, वे वाहन इतने बड़े नहीं थे कि धान की बड़ी खेप को ला सकें। कुछ नंबर स्कूटर, ऑटो या हाइवा के निकले, जिनका धान की ढुलाई से कोई लेना-देना नहीं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने इन अनियमितताओं पर संज्ञान लेते हुए करीब 40 मिलर्स को नोटिस जारी किया है और स्पष्टीकरण मांगा है कि गलत वाहन नंबर क्यों दिए गए।जांच तीन चरणों में की गई।

पहले चरण में परिवहन के लिए दर्ज वाहनों के नंबरों की जांच हुई।दूसरे चरण में पता चला कि दिए गए वाहन नंबर सही हैं, लेकिन उन वाहनों से इतनी मात्रा में धान लाना संभव नहीं है।तीसरे चरण में वाहन की क्षमता और दर्ज धान की मात्रा का मिलान किया गया। कई मामलों में जहां वाहन की क्षमता 20-24 क्विंटल थी, वहां 43 क्विंटल धान दिखाया गया।अब सवाल यह है कि क्या यह गड़बड़ी जानबूझकर मिलर ने की या फिर कंप्यूटर ऑपरेटर से गलती हुई? इसी को जानने के लिए नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया है।सूत्रों के अनुसार करीब 20 ऐसी राइस मिलें हैं जिन्होंने एक करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के धान के परिवहन में गलत नंबर दिखाए हैं। पहले हुई जांच में इन मिलर्स को क्लीन चिट दे दी गई थी, लेकिन वाहन नंबरों की गड़बड़ी की जांच पहले नहीं की गई थी।

मध्य प्रदेश में अब सड़क हादसों पर लगेगी लगाम, ब्लैक स्पॉट के साथ रेड और हॉट स्पॉट भी होंगे चिह्नित

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार ने नया कदम उठाया है। अब सिर्फ ब्लैक स्पॉट ही नहीं, बल्कि सभी जिलों में रेड स्पॉट और हॉट स्पॉट भी चिन्हित किए जाएंगे। ये ऐसे स्थान होंगे जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। इसके लिए मापदंड भी तय किए जा रहे हैं।मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम की पहल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर जिले में रोड सेफ्टी प्लान तैयार किया जाए और ऐसे खतरनाक स्थानों की पहचान कर वहां सुधार कार्य किया जाए।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जो लोग लापरवाही से वाहन चलाते हैं, उनके ड्राइविंग लाइसेंस को तीन महीने के लिए निलंबित किया जाएगा। यह नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। 2024 में मध्य प्रदेश में 14 हजार लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई, जबकि करीब 56 हजार लोग घायल हुए। रेड और हॉट स्पॉट होंगे चिन्हितपुलिस मुख्यालय के अनुसार, रेड और हॉट स्पॉट चिन्हित करने से जिला स्तर की सड़क सुरक्षा समितियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि किस स्थान पर बार-बार दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं। इसके बाद वहां जरूरी सुधार किए जा सकेंगे। इन सुधारों में सड़क डिजाइन, संकेतक, स्ट्रीट लाइट या स्पीड ब्रेकर जैसे काम शामिल हो सकते हैं।

होटल में 20 फीट ऊंचाई से लिफ्ट गिरने से मचा हड़कंप, महिला-बच्ची समेत 6 लोग थे सवार, जानें पूरा मामला

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के सिटी सेंटर स्थित ओयो होटल ÷रॉयल इन÷ में गुरुवार शाम बड़ा हादसा हो गया। होटल की लिफ्ट दूसरी मंजिल से अचानक गिर गई। इस लिफ्ट में उस समय छह लोग सवार थे, जिनमें एक महिला और एक बच्ची भी शामिल थीं। हादसे में चार लोगों के पैरों में गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।ग्वालियर के होटल में 20 फीट

रिपोर्ट की मानें तो, होटल में खाद-बीज कंपनी हंस एग्रो का डीलर मीट चल रहा था। इस कार्यक्रम में चंबल संभाग के कई जिलों से डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर आए थे। इसी दौरान नानूराम जाट, कौशलेंद्र सिंह (सेंवढ़ा), मोनू सिंह तोमर (अंबाह) और होटल के शेफ राजू गुप्ता लिफ्ट से ऊपर जा रहे थे। उनके साथ एक महिला और एक बच्ची भी थीं। जैसे ही लिफ्ट 20 फीट ऊपर पहुंची, अचानक तेज आवाज के साथ वह नीचे गिर पड़ी। लिफ्ट गिरने से अंदर बैठे लोगों को जोर का झटका लगा और उनमें से चार लोगों के पैर टूट गए। हादसे के तुरंत बाद होटल स्टाफ ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।पुलिस और फायर अधिकारी मौके पर पहुंचे

जब पुलिस और फायर अधिकारी मौके पर पहुंचे तो घायलों को पहले ही अस्पताल भेजा जा चुका था। अब नगर निगम की टीम होटल की लिफ्ट की एनओसी की जांच करेगी।

विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग :- मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण विभाग की 'पर्यावरण से समन्वय' विषय पर कार्यशाला

इंदौर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर विभाग के पर्यावरण हितैषी नवाचार एवं ग्रीन टेक्नोलॉजीस पर केंद्रित 'पर्यावरण से समन्वय' विषय पर गुरुवार को कार्यशाला हुई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के मुख्यालय भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक निर्माणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यप्रणाली में प्राथमिकता से शामिल करेगा। उन्होंने विभाग की पर्यावरणीय सोच और भविष्य की कार्यनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग है।

कार्यशाला में सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव एवं तकनीकी सलाहकार श्री आर के मेहरा, प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता श्री एस आर बघेल, भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता श्री अनिल श्रीवास्तव, सभी मुख्य अभियंता और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिक्षेत्र स्तर पर सभी विभागीय इंजीनियर उपस्थित थे। इस प्रकार कार्यशाला में कुल 1141 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इंदौर परिक्षेत्र से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में वीसी के माध्यम से कार्यशाला में 220 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण केवल एक नारा नहीं बल्कि विभाग की बुनियादी कार्यनीति है, जिसमें अब पर्यावरणीय संतुलन भी स्वाभाविक रूप से शामिल है। उन्होंने कहा कि विकास की गति के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण अब हर अभियंता की जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सिंह ने विभाग के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग औपनिवेशिक काल से ही जल संरक्षण और संचयन के कार्यों में अग्रणी रहा है और वर्तमान में भी यह परंपरा नैतिक जिम्मेदारी रूप में आगे बढ़ रही है।

भूजल स्तर में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में विभाग द्वारा कई ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि विभाग सड़क निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी का युक्तियुक्त उपयोग कर 'लोक कल्याण सरोवर' का निर्माण कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत सरोवरों की डिजाइनिंग, सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, सूचना पटल और जियो-टैगिंग की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य है।

इंदौर जिले की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से 2 किलोमीटर रेडियस में सरकारी जमीन और निचले क्षेत्र चिन्हित कर 200 से अधिक स्थानों की पहचान की गई। शीघ्र ही गांधीनगर स्थित भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से पीएम गतिशक्ति पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वे स्वयं 20 सरोवरों का निरीक्षण करेंगे और प्रमुख अभियंता 10-10 सरोवरों का निरीक्षण करेंगे। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि विभाग अब सड़क किनारे रिचार्ज बोर का निर्माण कर रहा है, जिससे वर्षा जल को भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज किया जा सकेगा। जबलपुर एलिवेटेड कॉरिडोर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान किया गया है। वर्तमान और निर्माणाधीन फ्लाईओवर एवं आरओबी में रैनवाटर हार्वेस्टिंग के लिये जरूरी प्रावधान करने के निर्देश जारी कर दिए गए है।

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

इंदौर। केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है, कुछ प्रेस संगठनों द्वारा प्रेस-परिषद शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है। सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद शब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि 7 का उल्लंघन है। इस संदर्भ में केन्द्रीय विधि विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि किसी अन्य संगठन द्वारा इस नाम का उपयोग करना अवैध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए शिशु कुंज इंदौर को मिला पुरस्कार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस है और गंगा दशहरा भी आज है। दोनों भारतीय संस्कृति के लिए विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ जोड़ा है। राज्य सरकार आज से इस अभियान की शुरुआत कर रही है। हमारी संस्कृति में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के बराबर माना है। परंपरागत रूप से कहा जाता है कि एक बावड़ी 10 कुओं के बराबर है, 10 बाबड़ी एक तालाब के बराबर है, 10 तालाब एक पुत्र के बराबर है और 100 पुत्र एक वृक्ष के समान है। पुत्रों की तुलना वृक्ष के साथ करना, प्रकृति की महत्ता को दर्शाता है। अगर प्रकृति संरक्षित रहेगी तो हमें अपने आप फलने-फूलने का अवसर मिलता रहेगा। वर्तमान दौर में भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान को पुनर्स्थापित करने का समय है आज रिसाइकिलिंग और री-यूज की चर्चा की जाती है, न्यूनतम संसाधनों से बेहतर जीवनशैली की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है।

जल संवर्धन में शैक्षणिक संस्थानों की महती भूमिका जरूरी : मंत्री श्री सिलावट

मंत्री श्री सिलावट के मुख्य आतिथ्य में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में जल संवर्धन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागार में ÷जल संवर्धन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका÷ विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.राकेश सिंघई ने की। इस अवसर पर प्रो. राजीव दीक्षित, डॉ. अजय शर्मा सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्राध्यापक, प्रोफेसर्स, शिक्षकगण आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि विकसित भारत के सपने की बुनियाद जल है। जल का संवर्धन करना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें हमारी पुरानी धरोहर जैसे तालाब, नदी, बावड़ी, कुएं आदि का संरक्षण एवं रखरखाव करना है, साथ ही इन धरोहरों को अतिक्रमण मुक्त भी करना है। पुरानी संस्कृति एवं इतिहास को देखें तो देश के प्रत्येक बड़े शहर एवं कस्बे किसी न किसी नदी के किनारे बसें है। आज यदि हम उनका संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढी के लिए बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इस पुनीत कार्य में शैक्षणिक संस्थानों की महती भूमिका आवश्यक है।

श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश में कुल लगभग 207 नदियां हैं, इसीलिए मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। इंदौर जिले में लगभग साढ़े तेरह (13.5) नदियां प्रवाहमान है, जिनमें से साढ़े सात (7.5) नदियों का उद्गम स्थल जानापाव पहाड़ी है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान तथा समाज के प्रबुद्धजन, डॉक्टर, वकील, समाजसेवियों आदि को साथ में लेकर जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाये जाने की आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में हृदयेश जोशी

इंदौर। यदि आप पर्यावरण बचाने की बात करते हैं तो आप अर्थव्यवस्था भी बचाते हैं। यदि जन बचते हैं तो ही जंगल बचेगें और जंगल बचेगें तो शेर भी बचेगें यह ही प्रकृति का चक्र है और नियम। सवा सौ साल पहले जितनी बड़ी दुनिया की आबादी थी उतनी आज भारत की आबादी है। तकरीबन 140 करोड़। धरती पर अब सात से आठ गुना अधिक भार है। सबसे बड़ी चिंता आबादी नहीं है, अपितु बदलती हुई लाइफ स्टाइल है।

यह विचार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में प्रसिद्ध लेखक, शोधार्थी एवं पत्रकार हृदयेश जोशी ने व्यक्त किए। श्री जोशी ने कहा कि आज की आधुनिक लाइफ स्टाइल में जैसे डिजिटल लाइफ स्टाइल, लग्जरी लाइफ स्टाइल, ट्रेवलिंग के तौर-तरीके, खाने और जीवन जीने की आदतें और सुख-सुविधाएं सभी शामिल हैं। हम हर हाथ से, हर बात से एनर्जी अपव्यय बढ़ा रहे हैं। जैसे इलेक्ट्रिकल कार-दुपहिया वाहन जिनको हम ग्रीन व्हीकल मानते हैं, पर इसकी रिचार्जिंग के लिए जिस बिजली का उपयोग हो रहा है, वह कोयले को जलाकर पैदा हो रही है। या फिर जेनरेटर सेट से बिजली पैदा कर रहे हैं। तो बात घूम-फिरकर वही हो गई। ग्रीन एनर्जी के लिए आवश्यकता है बिजली पैदा करने का तरीका भी ग्रीन हो। उन्होंने कहा कि नदियाँ भले ही ग्लेशियर से निकलती हैं लेकिन उन्हें ताकत तो जंगलों से मिलती है। दूधतौली गाँव से निकलने वाली रामगंगा नदी, जंगलों से निकलती है।

इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकसित सुपर कॉरिडोर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रारम्भ में मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार द्वारा अपने स्वागत भाषण में प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष तीन लाख वृक्षों को लगाने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति हमारे लिये भगवान है, यही कारण है कि हम इसकी पूजा करते है, इसका संरक्षण करना हमारा परम धर्म होना चाहिये। उन्होंने उपस्थित बच्चों से कहा कि आप आज रोपे गये वृक्षों की समय-समय पर आकर देखभाल करें। इस प्रकार आप पर्यावरण के प्रति सजग प्रहरी बन सकेंगे। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में 51 लाख पौधे लगाने के संकल्प की प्रशंसा की और उसमें प्रत्येक नागरिक को बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील की। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा विगत वर्ष उनके द्वारा किये गये वृक्षारोपण में से जीवित रहे पौधो की संख्या 100 प्रतिशत है। उन्होंने उन वृक्षों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं प्राधिकरण की इस दिशा में अच्छा कार्य किये जाने की प्रशंसा की।

स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित- मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार ने बताया कि इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं की चित्रकला की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 14 स्कूलों के लगभग 100 छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया, जिसका विषय पर्यावरण से संबंधित ही थी। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. निकिता गरोठिया, शा.अहिल्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, द्वितीय स्थान कु. वैशाली सोलंकी, शासकीय मॉडल स्कूल, इन्दौर, तृतीय स्थान श्री देव परमार, शासकीय मॉडल स्कूल, इन्दौर ने प्राप्त किया।

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ शिविर आयोजन का सिलसिला हुआ प्रारंभ

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने रेसीडेंसी एरिया स्थित सन्मति स्कूल परिसर में स्वास्थ्य विभाग एवं श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से आयोजित संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम का शुभारंभ आज दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शौजी जोसेफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या और अरविंदो अस्पताल के डॉ. आदित्य चौरसिया विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर संभागायुक्त श्री सिंह ने संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर का अवलोकन किया और सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में 1167 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन करवाया। प्रमुख रुप से शिविर में 407 मरीजों की लिपड प्रोफाईल की गई। 110 लोगों का फाईब्रो स्केन किया गया। 65 लोगों का ईको, 67 यूएसजी, 59 मेमोग्राफी, 659 का जनरल मेडिसिन में उपचार किया गया, 76 हृदय रोगियों की जाँच की गई, 140 हड्डी रोग से संबंधित जॉचे व उपचार किया एवं 51 दंतरोग से संबंधित जाँचे की गई। शिविर में आम लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया। यदि किसी कर्मचारी में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पायी जाती है तो चिन्हित कर उसका समुचित उपचार किया जायेगा।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि शिविर में आने वाले मरीजों की आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की गई। साथ ही विशेषज्ञ ?चिकित्सकों की टीम द्वारा नागरिकों को चिकित्सकीय परामर्श और दवाईयां भी उपलब्ध करायी गई। इसके अलावा केन्द्र सरकार की स्वास्थ्य योजना आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड के बारे में भी जानकारी दी गई। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चिंतामण गणेश मंदिर परिसर स्थित लक्ष्मण बावड़ी से बावड़ी उत्सव में सम्मिलित हुए

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत चिंतामण गणेश मंदिर परिसर में सिंदूर के पौधे का रोपण किया

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्री चिंतामण गणेश मंदिर परिसर स्थित लक्ष्मण बावड़ी से बावड़ी उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा कार्यक्रम में %बूंद सहेजे बावड़ी% पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भगवान श्री चिंतामण गणेश के आशीर्वाद से देश प्रदेश विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचे। उज्जैन में आयोजित की गई वेलनेस समिट में हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उज्जैन देश विदेश के लिए मानसिक शांति,आध्यात्म ,वेलनेस केयर का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन इंदौर नया फोरलेन पर भी कार्य किया जा रहा है । चिंतामण गणेश रेलवे स्टेशन

का उन्नयन भी किया जाएगा।मां शिप्रा को कान्ह क्लोज़ डक्ट परियोजना और सेवारखेड़ी सिलारखेड़ी परियोजना से स्वच्छ,निर्मल और प्रवाहमान किया जा रहा है ,जिससे सिंहस्थ स्नान मां शिप्रा के जल से हो सकेगा ।सभी देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का संपूर्ण ध्यान रखने के लिए नवीन शिप्रा घाटों का निर्माण किया जा रहा है और सभी सुविधा श्रद्धालुओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। सम्पूर्ण प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें संपूर्ण प्रदेश में जल संरक्षण का संदेश,जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और भू जल स्तर में सुधार पर कार्य कर जल की एक एक बूंद को संरक्षित करने के उपाय किये गये हैं।

बावडी उत्सव

जन अभियान परिषद ने कार्यक्रम में जानकारी दी कि बावड़ी उत्सव में बावड़ियों के स्थल की जन सहभागिता से जीर्णोद्धार ,प्रकाश,साफ सफाई,साज सज्जा ,जल आने के मार्गो को खोलकर जल संरचनाओं को नव जीवन प्रदान किया जा रहा है। जीर्णोद्धार के पश्चात बावड़ी उत्सव अंतर्गत बावड़ी का परंपरागत पूजन भी किया जा रहा है और जलस्त्रोत संरक्षण केन्द्रित संदेश अथवा बावड़ी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक महत्व के बारे में जानकारी देकर जल संचय का संदेश दिया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में संपूर्ण अभियान में परिषद के प्रयासों से 36 लाख 34 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

ज्योतिष विचार मंच के वार्षिक मिलन समारोह में हुआ ज्योतिष विशेषज्ञों का सम्मान

उज्जैन। विश्व की काल गणना का क्षेत्र बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका में श्री रामेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में ज्योतिष विचार मंच उज्जैन का वार्षिक मिलन एवं सम्मान समारोह विचार मंच के अध्यक्ष ज्योतिष आचार्य वास्तुविद एवं पुजारी पं. डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल एवं सुकीर्ति व्यास के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रम विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ सर्वेश्वर शर्मा, पं. अमर भारती, पं. दिलीप त्यागी, संरक्षक डॉ सुकीर्ति व्यास एवं पं. डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल ने भगवान कृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंचीय कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों का बाबा महाकाल का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जगहों से आए ज्योतिष विद्वान एवं विशेषज्ञों ने ज्योतिष पर चर्चा कर कई प्रश्नों के जवाब तलाशे। इसके साथ ही ज्योतिष के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए ज्योतिषों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। खगोल शास्त्रियों की मान्यता है कि यह उज्जैन नगरी पृथ्वी और आकाश की सापेक्षता में ठीक मध्य में स्थित है। कालगणना के शास्त्र के लिए इसकी यह स्थिति सदा उपयोगी रही है। इसलिए इसे पूर्व से 'ग्रीनविच' के रूप में भी जाना जाता है। प्राचीन भारत की 'ग्रीनविच' यह नगरी देश के मानचित्र में 23.9 अंश उत्तर अक्षांश एवं 74.75 अंश पूर्व रेखांश पर समुद्र सतह से लगभग 1658 फीट ऊंचाई पर बसी है। इसी भौगोलिक स्थिति के कारण इसे कालगणना का केंद्र बिंदु कहा जाता है और यही कारण है कि प्राचीनकाल से यह नगरी ज्योतिष का प्रमुख केन्द्र रही है।

पुराने हिंदी गीतों की माला' में आज गूंजेंगे सदाबहार गीत

उज्जैन। स्वर मराठी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आज 7 जून शाम 7 बजे से कालिदास संकुल हॉल में 'पुराने हिंदी गीतों की माला' का आयोजन किया जाएगा।

निर्देशक सूर्यकांत बुरहानपुरकर, संयोजिका तृप्ति वैद्य ने बताया कि पुरानों गीतों पर आधारित इस संगीत संध्या में गायक चंद्रकांत नामजोशी, प्रमोद भावे, कीर्ति देशपांडे, विकास सहस्त्रबुध्दे, प्रशांत भांड, धनंजय शितुत, भालचंद्र कुलकर्णी, वृषाली कुलकर्णी, एकनाथ पांडे, प्रेरणा भावे अपने सुमधुर सुरों के माध्यम से प्रस्तुति देंगे। स्वर मराठी म्यूजिकल ग्रुप ने समस्त संगीतप्रेमियों से आज शाम इस संगीतमयी शाम में शामिल होने का अनुरोध किया है।

श्री हनुमान जी के मंदिर एवं विशाल गौशाला का भूमि पूजन

उज्जैन। श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़ा खाकचौक, अंकपात, मंगलनाथ मार्ग उज्जैन स्थित अखाड़ा परिसर में दिव्य भव्य श्री हनुमान जी के मंदिर एवं विशाल गौशाला का भूमि पूजन कार्यक्रम जेष्ठ शुक्ल एकादशी तिथि, 6 जून शुक्रवार को प्रातः 9 बजे विधि विधान मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. रामेश्वरदास महाराज, भगवानदासजी महाराज, बलरामदासजी महाराज की अध्यक्षता में सविधि संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर अखाड़ा परिसर में साक्षी के रूप में चारों वैष्णव अखाड़ो के अतिथि के रूप में महन्त श्री दिग्विजयदास जी महाराज, श्री पंच रामानन्दीय निर्वाणी अखाड़ा, उज्जैन महन्त श्री रामचन्द्रदास जी महाराज, श्री पंच रामानन्दीय दिगम्बर अखाड़ा, उज्जैन महन्त श्री तुलसीदासजी महाराज, श्री पंच रामानन्दीय खाकी अखाड़ा, महन्त श्री महेशदास जी महाराज, श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़ा, महन्त श्री मुनिशरणदास जी महाराज श्री रामानन्द आश्रम, महामंडलेश्वर, राम गोपाल दास जी महाराज श्रीराम मंदिर पंचकुआ आश्रम इन्दौर, श्री महंत अर्जुन दास श्री दक्षीण काली मंदिर इन्दौर मौजूद रहे। यह जानकारी महंत श्री चरण दास महाराज श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अनि अखाड़ा उज्जैन, द्वारा दी गई।

उज्जैन से सेंसेई दुर्गेराम कवरेती को ब्लैक बेल्ट 4 डॉन की डिग्री

ब्लैक बेल्ट डॉन डिग्री, ग्रेडिंग परीक्षा में उज्जैन के खिलाड़ियों ने पाई उपाधियां

उज्जैन। कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा में संचालित मध्य प्रदेश राज्य स्तर पुरुष एवं महिला कराते प्रशिक्षक कैम्प के दौरान वर्ल्ड कराटे फेडरेशन से संबद्ध नेशनल फेडरेशन कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन से मान्यता प्राप्त ÷सेल्फ डिफेंस स्कूल ऑफ़ इंडियन कराटे÷ की नेशनल ग्रेडेशन कमेटी द्वारा प्रदेश स्तरीय ब्लैक बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया।

इंडिया हेड क्योशी राजेंद्र सिंह तोमर ब्लैक बेल्ट 7वीं डॉन (डब्ल्यूकेएफ) प्रमाणित कुमिते कोच (डब्ल्यूकेएफ) अध्यक्ष एवं तकनीकी निर्देशक (एस.डी.एस.आई के.एम.पी.) मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन अध्यक्ष द्वारा कड़े प्रशिक्षण उपरांत प्रदेश के वरिष्ठ प्रशिक्षकों में उज्जैन से सेंसेई दुर्गेराम कवरेती तथा छिंदवाड़ा के सेंसेई रविन्द्र जैसवाल को ब्लैक बेल्ट 4 डॉन की डिग्री दी गई। वहीं छिंदवाड़ा के सैंसेई मेवालाल मंडलोई, उमरिया से सैंसेई प्रमोद विश्वकर्मा, शहडोल से सैंसेई रामकिशोर चौरसिया, बालाघाट से सैंसेई दिनेश कोरे, सैंसेई रूपेन्द्र बनकर, मंडला से सेंसेई त्रिलोक चंद डोंगरे को ब्लैक बेल्ट 3 डॉन की उपाधि से सम्मानित किया गया। महिला प्रशिक्षक में उज्जैन सम्भाग की ऋतू परमार, स्टाइल (ब्लैक बेल्ट 2 डॉन), और कराते इंडिया ऑर्गनाइजेशन से ब्लैक बेल्ट 2 डॉन डिग्री देते हुए नीमच जिला कराते प्रमुख के पद से सम्मानित किया गया। आगर मालवा जिला कराते प्रमुख किरण धानक, छिंदवाड़ा से मोनिका मालवी ब्लैक बेल्ट 2 डॉन की डिग्री से सम्मानित किया गया।

उज्जैन से सविता माली, कोमल मालवीय, कुमकुम जाटवा, बालाघाट की रूपांजलि गौतम, डिंडोरी की मनीषा बैरागी को ब्लैक बेल्ट की उपाधि प्रदान की गई। ब्लैक बेल्ट प्रथम डान में प्रदेश के कुल 25 पुरुष एवं 35 महिला प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर, महासचिव महेश कुशवाह तथा उपाध्यक्ष हनुमान तिवारी, सचिव ओमकार महोबे, आर. तारण सहित समस्त खिलाड़ियों और पदाधिकारियों ने उज्जवल भविष्य की कामनाएं करते हुवे हार्दिक शुभकामनाएँ बधाई दी।

अभा मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्यप्रदेश ने रौपे 5639 पौधे

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्य प्रदेश द्वारा पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में उज्जैन सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों में 5639 पौधों का रोपण किया गया।

अध्यक्ष राजकुमारी बागड़ी, सचिव रुचिका खंडेलवाल एवं कोषाध्यक्ष संध्या सारडा के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। जिसकी लागत 1,30,775 रही। इस कार्य में प्रदेश पर्यावरण प्रकल्प प्रमुख राजश्री जैन एवं उमा सोमानी का विशेष सहयोग रहा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com